विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मन्दिर

सी-41, सेक्टर-12, नोएडा
ई- पत्रिका अंक- 50, दिसम्बर -2024

☎ 0120-4545608 WEBSITE: ssmnoida.in GMAIL: ssm.noida@gmail.com

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध

सरस्वती शिशु मन्दिर ,सी - 41, सेक्टर – 12, नोएडा

मासिक ई-पत्रिका, दिसम्बर–*2024*

ज्ञानोदय (अंक-50)

संरक्षक मंडल

श्री प्रताप मेहता

श्री दिनेश गोयल

श्री रविन्द्र कुमार
श्री प्रदीप भारद्वाज
श्री सुशील कुमार

श्री असित कुमार त्यागी

मार्गदर्शक

श्री प्रकाशवीर(प्रधानाचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर,नोएडा

संपादक

श्री लेखराज सिंह (आचार्य)
सरस्वती शिशु मंदिर,नोएडा

संपादक मंडल

श्री दीपक कुमार, ब॰अनु सिंह,

ब॰प्रतीक्षा दीक्षित

अनुक्रमणिका

- संपादकीय
- प्रधानाचार्य जी की कलम से
- विज्ञान विषय के क्रियाकलाप
- लेख (उत्सव, जयन्ती व दिवस)
- गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
- विश्व हिन्दी दिवस
- स्वामी विवेकानन्द जयन्ती
- सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती
- गणतंत्र दिवस
- लाला लाजपत राय जयन्ती
- प्रतियोगिताएं (द्वितीय चरण)
- आचार्य अभिभावक गोष्ठी
- समर्पण निधि कार्यक्रम
- संस्कृति ज्ञान परीक्षा
- स्वर्ण प्राशन
- एडवेंचर कैंप
- मदन मोहन मालवीय जयन्ती
- पथ संचलन
- हवन कार्यक्रम
- समता प्रतियोगिता
- निःशुल्क एक्यूप्रेशर कैम्प
- बताओ तो जाने
- पत्रिका प्रश्नोत्तरी

संपादकीय

वर्तमान समय में चाहते हुए भी विज्ञान को हम अपने जीवन से निकाल नहीं सकते। यदि विज्ञान के बिना दुनिया की कल्पना करें तो हमें एक गहरा शून्य ही दिखाई देता है।

एक सामान्य उदाहरण के माध्यम से इस बात को साबित किया जा सकता है। कल्पना कीजिये कि अब तक एडिसन ने विद्युत बल्ब का अविष्कार न किया होता तो, शायद पूरी दुनिया अँधेरे में डूबी रहती। हियरिंग ऐड के आविष्कार ने बधिरों को सुनने में मदद की है। और कृत्रिम अंगों के उपयोग से अपंग व्यक्ति भी चलने-फिरने लायक बन गए हैं। यहाँ विज्ञान वरदान के सामान साबित हुआ है।

विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान :

(i) **चिकित्सा के क्षेत्र में** :- चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान ने एक अभूतपूर्व क्रान्ति ला दी है। कई चिकित्सा उपकरणो के विकास व दवाइयों की खोज से कैंसर, ट्यूमर जैसी खतरनाक बीमारियों का भी वर्तमान में इलाज संभव हो गया है। विज्ञान के विकास से चिकित्सा के क्षेत्र में काफी लाभ मिला व मनुष्य की आयु में भी वृद्धि हुई।

(ii) **मनोरंजन के क्षेत्र में** :- विज्ञान ने मनोरंजन के क्षेत्र में भी विकास किया है। टीवी, मोबाइल, रेडियो ऐसे कई उपकरण है, जो मनोरंजन के साधन है। इनकी सहायता से व्यक्ति तनाव में प्रसन्नता का अनुभव करता है।

(iii) **शिक्षा के क्षेत्र में** :- शिक्षा के क्षेत्र में भी विज्ञान एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान में विद्यार्थी कई साधनों जैसे- कम्प्यूटर, लैपटॉप की सहायता है, पढ़ाई कर सकते है। मोबाइल की सहायता से ऑनलाईन स्टडी कर सकता है। अतः शिक्षा के क्षेत्र में भी विज्ञान का योगदान अति महत्वपूर्ण है।

(iv) **कम्प्यूटर के क्षेत्र में** :- वर्तमान में कम्प्यूटर मानव जीवन की एक आवश्यकता बन गया है। दैनिक गतिविधियों में कम्प्यूटर का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कम्प्यूटर विज्ञान का एक महत्वपूर्ण आविष्कार है, इसकी सहायता से मनुष्य जटिल से जटिल गणनाएं कुछ ही पल में बिना त्रुटि के कर सकता है। तथा अन्य क्षेत्रों में भी कम्प्यूटर अत्यन्त लाभदायक

(v) **उद्योग के क्षेत्र में** :- वर्तमान में विज्ञान के बढ़ते विकास से उद्योगों के क्षेत्र में भी वृद्धि हुई है। विज्ञान के कई आविष्कारों की मदद से उद्योग के क्षेत्र में विकास हुआ है।

विज्ञान के क्रियाकलापों से सुसज्जित ई- मैगजीन का यह अंक सभी पाठकों को समर्पित करते हुए मैं यह विश्वास करता हूं कि ई- मैगजीन का यह अंक आपके ज्ञानार्जन में सहयोगी होगा।

संपादक
लेखराज सिंह

प्रधानाचार्य जी की कलम से

भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय ने नागरिकों के मध्य संविधान के प्रति जागरूकता लाने की दृष्टि से 2015 में 26 नवंबर को प्रतिवर्ष संविधान दिवस मनाने की परंपरा शुरू की थी।

भारतीय संविधान की मूल हस्तलिखित पांडुलिपि में कुल 22 भाग थे। उन हस्तलिखित पन्नों में ऊपर नीचे बहुत जगह खाली छुटी हुई थी। इन खाली जगहों पर अपनी 5000 वर्ष पुरानी संस्कृति को प्रदर्शित करने की दृष्टि से पंडित जवाहरलाल नेहरू ने शांतिनिकेतन जाकर महान चित्रकार नंदलाल बोस को आमंत्रित किया था। नंदलाल बोस तथा इनके शिष्यों ने संविधान के अलग-अलग भागों में भारतीय संस्कृति, इतिहास तथा जननायकों को चित्रांकित कर संविधान के पन्नों में प्राण भरने का कार्य किया। दुर्भाग्य से वर्तमान में संविधान की नई प्रतियों से तुष्टीकरण के चलते इन चित्रों का नामोनिशान मिट चुका है।

गौरवशाली इतिहास के इन चित्रों से सजी संविधान की मूल प्रति के अंतिम पृष्ठ पर संविधान सभा के सभी सदस्यों की सहमति के हस्ताक्षर हैं। उस समय के 22 भागों में संस्कृति व इतिहास को दर्शाते चित्रों का

भाग	भाग का नाम	अंकित चित्र
1	संघ और उसके क्षेत्र	मोहनजोदड़ो काल की मोहरें
2	नागरिकता	वैदिक काल के गुरुकुल आश्रम
3	मौलिक अधिकार	श्री राम की लंका विजय
4	राज्य के नीति निर्देशक तत्व	अर्जुन को उपदेश देते श्री कृष्ण
5	संघ	महात्मा बुद्ध
6	राज्य	स्वामी महावीर
7	संविधान	सम्राट अशोक
8	संघ राज्य क्षेत्र	गुप्त काल
9	पंचायत	विक्रमादित्य
10	अनुसूचित व जनजाति क्षेत्र	नालंदा विश्वविद्यालय
11	संघ और राज्यों के बीच संबंध	उड़ीसा का स्थापत्य
12	वित्तीय संपत्ति संविदाएं व वाद	नटराज
13	व्यापार वाणिज्य व समागम	गंगावतरण
14	संघ और राज्यों के अधीन सेवाएं	मुगलकालीन स्थापत्य
15	निर्वाचन	शिवाजी व गुरु गोविंद सिंह
16	विशेष उपबंध व संबंध	रानी लक्ष्मीबाई
17	राजभाषा	दांडी यात्रा व नोआखली
18	आपात उपबंध	दंगों में गांधीजी की शांति यात्रा
19	प्रकीर्ण	नेताजी सुभाष चंद्र बोस
20	संविधान के संशोधन	हिमालय के चित्र
21	अस्थाई संक्रमण कालीन और विशेष उपबंध	रेगिस्तानी क्षेत्र
22	संक्षिप्त नाम प्रारंभ, हिंदी में प्राधिकृत पाठ और निरसन	हिंद महासागर के चित्र

प्रधानाचार्य
प्रकाश वीर
सरस्वती शिशु मन्दिर नोएडा

विज्ञान विषय के क्रियाकलाप

CLASS-NURSERY

Topic – Draining water by hand

Materials – Tub, water, mug

Activity-1. Place the water-filled container and an empty bucket at a reasonable distance apart.

2.We put mugs around the water.

3. Students make a bowl with their hands and then take out water and pour it into a mug.

Learning Outcomes- By the end of this activity, students will :

1.Understand the importance of strategy and teamwork.

2.Develop problem-solving and critical thinking skills.

3. Experience the value of collaboration and efficient use of resources.

Class-L.K.G.

Topic -Air Pressure

Object- 1) To illustrate the importance of science

2) To teach the concept of air pressure.

3) To develop student ability to know the property of air.

4) To improve their critical thinking and logical analysis skills.

Activity work-1) To make children learn the concept of air pressure through balloon and string.

2)To teach that when we blow air between balloons the air pressure is increases.

3) To enhance their understanding environment through real life objects- air, balloons, strings

4) Projector will be used to teach them the concept of science.

Class- U.K.G.

Topic – Magnet Fishing Game

Materials: A magnet tied to a string, Iron pins, paper cutouts, plastic caps Etc.

Activity work: 1) Attach magnet with a string and scatter iron pins and papers, plastic caps in a box.

2) Children use the "fishing string" to catch the iron pins.

3) The magnet will pick only iron things.

4) Students will be able to learn that magnet only attracts iron things.

Learning outcome- This activity combines excitement with skill-building, encouraging hand-eye coordination, critical thinking, and quick decision-making. Plus, the thrill of discovery keeps students engaged and eager for more.

Class – 1ST

Activity-1

Topic – SOLID, LIQUID AND GAS

Objectives:

1. Students can able to understand about different states of matter. Solid, Liquid and Gas.
2. Student will be able to learn about how matter is used in everyday life.
   For example :- in cooking, cleaning etc.
3. Students can be able to identify by touching the materials which are Solid, Liquid, Gas.

Activity-2

TOPIC-TRAFFIC LIGHTS

Objectives: 1. Students can aware of traffic rules that we need to follow on the road, for example :- in a bus, in a car.

2. Student can able to understand and recognize three colours of Traffic lights which are Red, Yellow and Green.

3. To enable them to understand difference between Red, Yellow and Green Light.

4. To enable them to understand about

- ❖ Red light means- STOP
- ❖ Yellow light means-WAIT
- ❖ Green light means-GO

Class – 2nd

Activity-1

Topic – Animals

All students participated in activity conducted in the Science Class.

Wild animals: - These animals live in forest are called wild animals. Ex- Lion, Tiger, Elephant etc.

Domestic animals: - Some animals live near us help us and full fill our requirements are called domestic animals. e.g :- Goat, Cow etc.

Pet animals: - Pet animals live with us in our home are called pet animals. e.g :– Dog, rabbit etc.

PET ANIMALS

WILD ANIMALS

DOMESTIC ANIMALS

Activity-2

TOPIC- Plants

Objective: - Students will able to know about different types of plants.

Procedure: -

- **Trees: - Tall and big plants are called trees. Examples -Mango, Neem etc.**
- **Herbs: - These plants are very small. The stem of these plants is very weak. Examples- Spinach, coriander etc.**
- **Shrubs: - These plants are not have very thick stem. Shrubs are of medium size. Examples- Basil, Hibiscus etc.**
- **Climber: - These plants climb up with support are called Climbers. Example- Money plants, Pea plants etc.**

TREES

HERBS

CLIMBERS

SHRUBS

Class – 3rd
Activity-1
Topic – Soil erosion

Objective: - To make students understand what is soil erosion.
To explain students how vegetation affects soil erosion.
Materials required - 6 empty plastic bottles, strings, soil, seedlings, Mulch
Procedure - Prepare three bottles by cutting a rectangular hole. Fill the bottles with soil.
Leave the first bottle as it is, cover the second bottle with mulch.
Plant seedlings in the third bottle.
Cut the other three bottles in half and keep the bottom halves.
Make two small holes opposite to each other and insert pieces of string into the holes. Hang them over the neck of the three bottles.
Now pour the equal amount of water in each bottle.
We will see the water in the first bottle looks dirty the second and third bottles are much cleaner.
Which shows that both mulch as well as root structure of plants assist in preventing soil erosion.

Activity- 2
Topic – Air exerts pressure

Objective: -To enable students to understand that air exerts pressure on everything it comes into contact with.
To make students familiar with the properties of air.
Materials required- glass tumbler, piece of cardboard, water
Procedure - Take a glass which is completely filled with water.
* Now cover it with a piece of cardboard.
* Ensure that there is no empty space or bubbles inside the glass.
* Now invert the glass and remove your hand slowly.
* You will see that the card and the water does not fall down.
* It is because the air pressure from below side is acting on the cardboard which prevent it from falling.
This shows that air exerts pressure.

Class – 4th

Activity-1

Topic – Filtration

Object- Separation of soluble and insoluble substance
Required materials - Beaker, sand, water glass rod, filter paper, funnel etc.
Explanation- In this process insoluble substance such as sand and water are poured into funnel which have filter paper inside it as liquids of sand and water passes through by the filter paper insoluble substance are left behind on the filter paper.
Result- By the above activity we can separate the soluble and insoluble substance.

Activity-2

TOPIC- Electricity by using wind - mill

Required materials - fan, air, bulb, wire, switch, etc

Explanation- The energy we get from moving air is called wind energy. It is used to move the blades of windmills. Turning windmills fan are used to produce electricity.

Result- By the above process we make electricity by windmill.

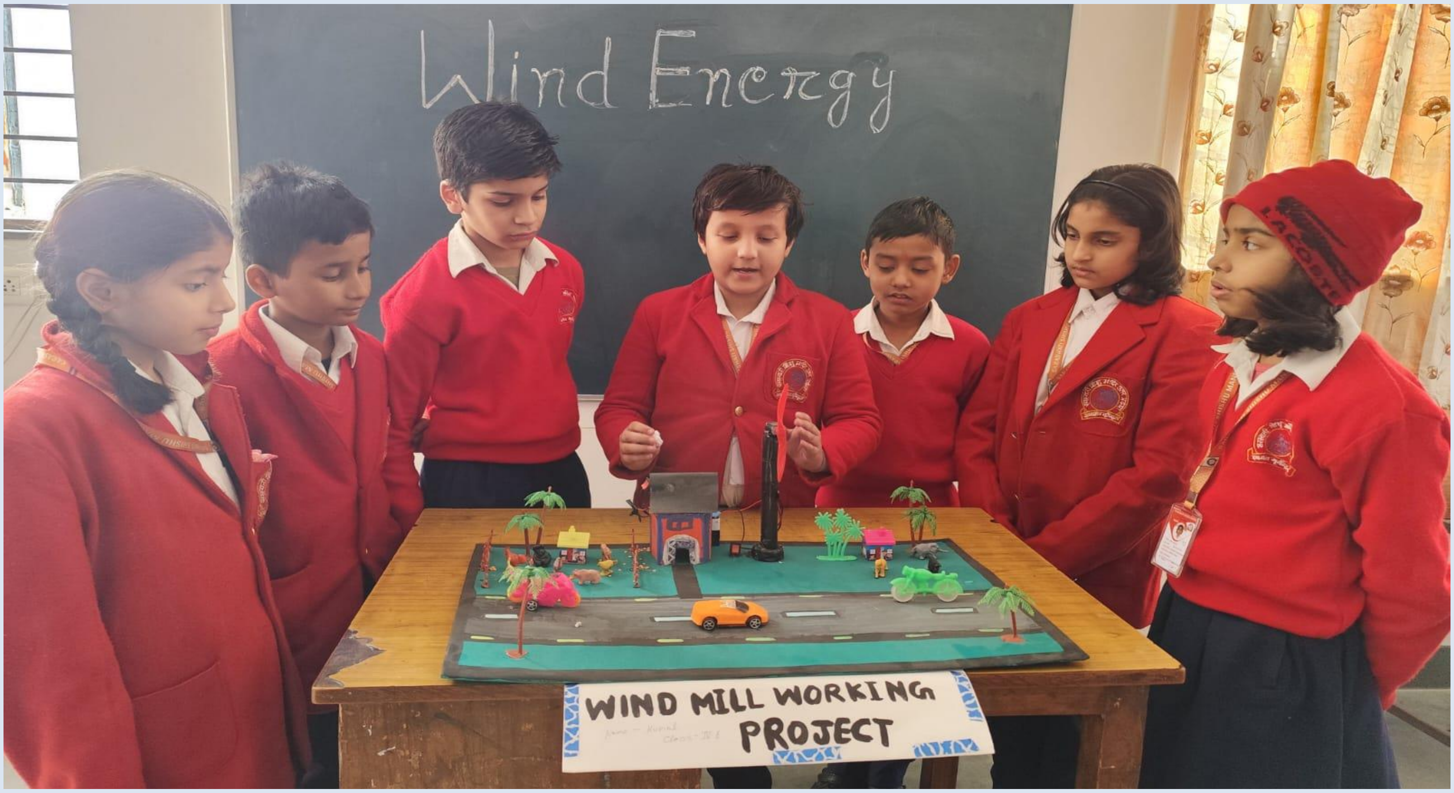

Class – 5th

Activity-1

Topic – Human Respiratory system

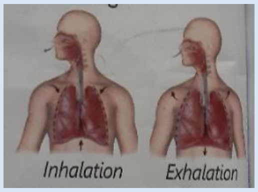

Aim :- Inhalation and Exhalation process in human respiratory system.

Materials Required :- 2 Balloons, Cardboard, Paper, Colours ,Fevicol, Syringe, Straw(pipe).

Steps for the Activity:

Show the model to the students and explain its parts:

- Balloons: Represent the lungs.
- Pipes: Represent the trachea and bronchi.
- Syringe: Acts as a controller for air pressure.

Inhalation Process:

- Push the syringe plunger inward.
- The balloons (lungs) expand as air enters.
- It shows balloons ANIMALS (lungs) fill with air (Oxygen) when we inhale.
- The inhalation is the process of breathing - in.

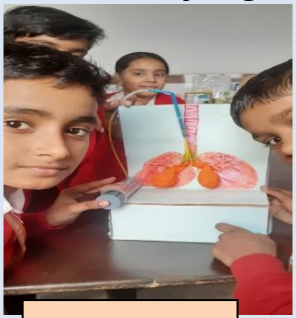

Inhalation

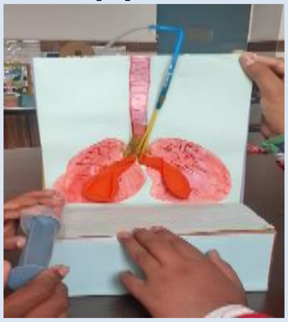

Exhalation

Exhalation Process:

- Pull the syringe plunger outward.
- It shows the balloons(lungs) to expel air (carbon Di oxide).
- The exhalation is the process of breathing - out.

Observation :

- Let students take turns operating the syringe and observing the changes in the balloons.
- Through this activity the students understand how the lungs work during inhalation and exhalation process by Respiratory model.

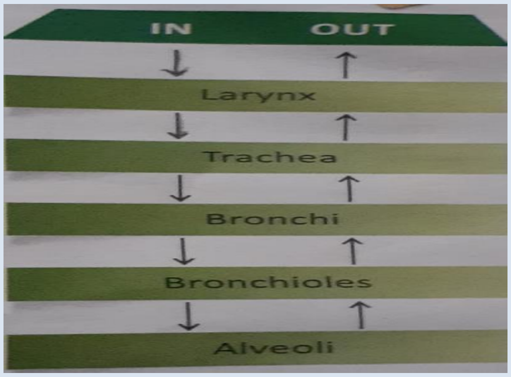

Activity-2

Topic – Measurement the body temperature

Objectives - To Measurement the body temperature in the laboratory.

Required materials – clinical thermometer, Antiseptic substance, Cotton,

Steps for the Activity:

- Temperature is measured by a device called Thermometer.
- Before inserting thermometer in the mouth, wash it by antiseptic solution.
- Hold the thermometer by fingers and watch the level of Mercury, if it is higher than 35°C, Shake It down to bring Mercury below this level.
- Put it in the mouth under the tongue for 2 minutes.
- Mouth should be firmly closed; Breathing is taken through nose.
- Prior to reading, no hot or cold substances is placed in mouth and no gum chewing.

Observation: -

- So, it proves the healthy human body temperature is 98•6°F or 37°C.
- When the temperature of our body increase, It means we are suffering from fever.

लेख (उत्सव, जयन्ती व दिवस)

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती

गुरु गोविंद सिंह जी सिक्ख धर्म के दसवें और अंतिम गुरु थे। उनका जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना में हुआ था। गुरु गोविंद सिंह जी के पिता का नाम तेग बहादुर व माता का नाम गुजरी था। उनके पिता सिक्ख धर्म के नवे गुरु थे। उनका बचपन पटना में बीता। उन्होंने अपने पिता गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के बाद 11 नवंबर 1675 में गुरु का पद संभाला और सिक्ख धर्म को मजबूत करने के लिए काम किया।

गुरु गोविंद सिंह जी ने सिक्ख धर्म को एक नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की, जो सिक्ख धर्म का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने सिक्खों को एकजुट करने और उन्हें एक मजबूत और संगठित समुदाय बनाने के लिए काम किया।

गुरु गोविंद सिंह जी ने अपने अनुयायियों को पांच ककार पहनने के लिए कहा, जो सिक्ख धर्म के पांच महत्वपूर्ण प्रतीक हैं:

1. केश (लंबे बाल)
2. कंगा (एक लकड़ी का कंघा)
3. कच्छा (एक विशेष प्रकार का पजामा)
4. किरपान (एक तलवार)
5. करा (एक स्टील का बैंगल)

गुरु गोविंद सिंह जी ने सिक्ख धर्म के लिए कई महत्वपूर्ण ग्रंथ भी लिखे, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध "दशम ग्रंथ" है। उन्होंने सिक्ख धर्म के लिए कई महत्वपूर्ण सिद्धांत भी दिए, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध "वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह" है।

गुरु गोविंद सिंह जी की मृत्यु 7 अक्टूबर 1708 को नांदेड़ में हुई थी। उन्हें सिक्ख धर्म के एक महान गुरु के रूप में याद किया जाता है और उनकी विरासत आज भी जीवित है।

रचना प्रजापति (आचार्य)

स०शि०म०,नोएडा

विश्व हिन्दी दिवस

विश्व हिंदी दिवस पर हमने ठाना है, लोगों में हिंदी का स्वाभिमान जगाना है ...

हिंदी हमारी मातृभाषा है, जो हमारी संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। विश्व में हिंदी के प्रचार-प्रसार और इसकी महत्ता को बढ़ावा देने के लिए हर साल 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह दिन साल 1975 में नागपुर में आयोजित पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन की याद में मनाया जाता है । हिंदी भाषा हमारे देश की एकता और अखंडता का प्रतीक है। हिंदी का महत्व न केवल भारत में बल्कि विश्वभर में है। हिंदी को विश्व की सबसे बड़ी संख्या में लोग बोलते और समझते हैं।

हिंदी की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो विश्व की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। हिंदी का विकास मध्यकाल में हुआ। उस समय हिंदी में फारसी और अरबी के शब्दों का समावेश हुआ।

हिंदी एक बहुत ही समृद्ध भाषा है, जिसमें विश्व की कई भाषाओं के शब्दों का समावेश है। हिंदी में साहित्य, संगीत, नृत्य और कला की एक समृद्ध परंपरा है।

विश्व हिंदी दिवस हमें हिंदी की महत्ता और इसके प्रति अपनी जिम्मेदारी को याद दिलाता है। हमें हिंदी को बढ़ावा देने और इसकी महत्ता को बनाए रखने के लिए प्रयास करने चाहिए। हमें हिंदी की शिक्षा और प्रचार-प्रसार के लिए काम करना चाहिए, ताकि हिंदी की महत्ता विश्वभर में बढ़ सके।

वही साल 2024 में विश्व हिंदी दिवस की थीम “हिंदी पारंपरिक ज्ञान और बुद्धिमत्ता” तय की गई है। जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर इसे एक अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है।

भावना शर्मा (आचार्य)

स०शि०म०,नोएडा

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

स्वामी विवेकानंद भारतीय संस्कृति, धर्म, और शिक्षा के महान प्रेरणास्रोत थे। उनका वास्तविक नाम नरेंद्रनाथ दत्त था, लेकिन वे स्वामी विवेकानंद के नाम से विश्वभर में जाने जाते हैं। उनका जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। वे भारतीय दर्शन, वेदांत, और योग के अद्वितीय व्याख्याताओं में से एक थे, जिन्होंने पश्चिमी दुनिया को भारतीय ज्ञान और संस्कृति से परिचित कराया। उनकी जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाई जाती है, जो उनके युवाओं के प्रति अटूट विश्वास और प्रेम का प्रतीक है।

स्वामी विवेकानंद का जन्म एक कुलीन बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता, विश्वनाथ दत्त, एक वकील थे और उनकी माता, भुवनेश्वरी देवी, धार्मिक और आध्यात्मिक विचारों से प्रेरित थीं। बचपन से ही विवेकानंद अत्यंत बुद्धिमान, जिज्ञासु और बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे विभिन्न विषयों जैसे दर्शन, विज्ञान, कला, और धर्म में रुचि रखते थे। उनकी आध्यात्मिक यात्रा का मुख्य मोड़ उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस से मिलने के बाद आया। रामकृष्ण परमहंस ने उन्हें अध्यात्म और मानवता की सेवा को जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाने की प्रेरणा दी। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, और मानव सेवा के माध्यम से समाज का उत्थान करना है। यह मिशन आज भी उनकी शिक्षाओं और विचारों पर आधारित सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

शिकागो धर्म संसद और विश्व पटल पर योगदान -

1893 में शिकागो (अमेरिका) में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपने उद्घाटन भाषण की शुरुआत "अमेरिका के भाइयों और बहनों" के संबोधन से करते हुए उन्होंने सभी का दिल जीत लिया। उनके भाषण ने भारत के आध्यात्मिक ज्ञान और सहिष्णुता के सिद्धांतों को विश्व पटल पर स्थापित किया।

विचार और शिक्षाएँ- स्वामी विवेकानंद के विचारों का मुख्य उद्देश्य मानवता की सेवा और आत्मा की जागृति था। उनके कुछ प्रमुख विचार इस प्रकार हैं:

शक्ति का संदेश: वे कहते थे कि "उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।"

1. सार्वभौमिकता और सहिष्णुता: उन्होंने सिखाया कि हर धर्म का उद्देश्य एक ही है – आत्मज्ञान और मानवता की सेवा।
2. युवाओं का आह्वान: उन्होंने युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया और आत्मविश्वास, अनुशासन और शिक्षा पर जोर दिया।
3. आध्यात्मिकता और विज्ञान का समन्वय: विवेकानंद ने विज्ञान और आध्यात्मिकता को एक-दूसरे का पूरक माना।

हर आत्मा में परमात्मा का वास होता है, इसे पहचानो और अपने अंदर की शक्ति को जागृत करो।"- स्वामी विवेकानंद

आराधना सिंह (आचार्य)

स०शि०म०,नोएडा

सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

सुभाष चंद्र बोस जिन्हें आमतौर पर नेताजी के नाम से जाना जाता है, भारत की आजादी के संघर्ष के एक महान नेता और प्रेरणा स्रोत थे। उनका जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक में हुआ था। उनके जीवन की प्रमुख घटनाओं और योगदान को निम्नलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है:

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

सुभाष चंद्र बोस के पिता, जानकीनाथ बोस, एक प्रसिद्ध वकील थे और माता प्रभावती देवी धार्मिक विचारों वाली महिला थीं। बोस बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। उन्होंने कलकत्ता के प्रेसिडेंसी कॉलेज से स्नातक किया। आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए और 1920 में भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा पास की। लेकिन देश की स्वतंत्रता के प्रति अपने समर्पण के चलते उन्होंने 1921 में ICS से इस्तीफा दे दिया।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका: सुभाष चंद्र बोस ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) में शामिल होकर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। 1938 और 1939 में उन्हें कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। गांधीजी और अन्य नेताओं के साथ विचारों में मतभेद के कारण उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया।

फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना- 1939 में उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की । जिसका उद्देश्य सभी क्रांतिकारी ताकतों को एकजुट करना था। उनका मानना था कि आजादी केवल आंदोलनों से नहीं, बल्कि सशस्त्र संघर्ष से संभव है।

धुरी शक्तियों (Axis Powers) से सहयोग: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ समर्थन पाने के लिए जर्मनी और जापान जैसे देशों का रुख किया। 1941 में नजरबंदी से भागकर वह जर्मनी पहुंचे और फिर जापान गए। जापान में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय सेना (INA) या आजाद हिंद फौज का गठन किया।

इसी दौरान भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार से प्राप्त दस्तावेज़ के अनुसार नेताजी की मृत्यु 18 अगस्त 1945 को ताइहोकू के सैनिक अस्पताल में रात्रि 21.00 बजे हुई थी।

अंजली शर्मा (आचार्य)

स०शि०म०,नोएडा

गणतंत्र दिवस

भारत के गणतंत्र दिवस की यात्रा में, भारत भले ही 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया था, लेकिन भारत 26 जनवरी 1950 को पूर्व गणराज्य बना। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ और इस संविधान से भारत के हर नागरिक को अपनी सरकार चुनकर अपना शासन चलाने का अधिकार मिला। इसी दिन 21 तोपों की सलामी के बाद डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर भारतीय गणतंत्र के ऐतिहासिक जन्म की घोषणा की थी।

भारत के गणतंत्र की यात्रा कई सालों पुरानी थी और जो 1930 में एक सपने के रूप में संकल्पित की गई और करीब 20 साल बाद 1950 में यह पूरी हुई। दरअसल गणतंत्र राष्ट्र की कल्पना की शुरुआत 31 दिसंबर 1929 को रात में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर सत्र में हुई थी। यह सत्र पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

इसी बैठक में हिस्सा लेने वाले लोगों ने पहले 26 जनवरी को "स्वतंत्रता दिवस" के रूप में मनाने की शपथ ली और यह फैसला लिया गया कि 26 जनवरी 1930 को "पूर्ण स्वराज दिवस" के रूप में मनाया जाएगा। उसके बाद भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को की गई, और उसके 3 साल बाद 26 नवंबर 1949 को आधिकारिक रूप से अपनाया गया।

भारत तो 15 अगस्त 1947 को आजाद हो गया था, लेकिन 395 अनुच्छेदों और 8 अनुसूचियों के साथ भारतीय संविधान दुनिया में सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसे 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया।

भारत की इसी यात्रा को आज़ादी से लेकर संविधान लिखने तक के सफ़र को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस आजादी को मनाने के लिए हमारे देश के अनेक क्रांतिकारियों ने अपना खून पसीना बहाया जिसमें सुभाष चंद्र बोस, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीमराव अंबेडकर, भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, चंद्रशेखर आजाद, रानी लक्ष्मीबाई, बी. एन. राव, सी. राजगोपालाचारी, सारोजिनी नायडू, अन्ना मणि और विजयलक्ष्मी पंडित, जैसे अनेक क्रांतिकारियों का योगदान रहा तथा इनका बलिदान हमे बताता है, कि किस तरह आजाद भारत की नींव रखी गई। यह बलिदान इसके महत्व को भी उजागर करता है :-

गणतंत्र दिवस का महत्व:

1. संविधान का सम्मान: गणतंत्र दिवस भारत के संविधान को सम्मानित करने का एक अवसर है, जो देश के नागरिकों को उनके मूलभूत अधिकार और कर्तव्यों को परिभाषित करता है।
2. राष्ट्रीय एकता: गणतंत्र दिवस देश के नागरिकों को एकजुट करने का एक अवसर है, जो विभिन्न धर्म, जाति और संस्कृति के लोगों को एक साथ लाता है।
3. स्वतंत्रता की याद: गणतंत्र दिवस भारत की स्वतंत्रता की याद में मनाया जाता है, जो देश के नागरिकों को उनके पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को याद दिलाता है।

यह दिन भारतीय नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता, और न्याय के मूलभूत अधिकार प्रदान करता है।
यह यात्रा बलिदानों, संघर्षों और महान नेताओं की दूरदर्शिता से भरी हुई है, जिन्होंने भारत को स्वतंत्र और संप्रभु गणराज्य बनाने में अपना योगदान दिया।

अन्नु सिंह (आचार्य)
स०शि०म०,नोएडा

लाला लाजपत राय जयन्ती

लाला लाजपत राय (28 जनवरी 1865– 17 नवम्बर 1928) भारत के एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे। इन्हें पंजाब केसरी भी कहा जाता है। इन्होंने पंजाब नैशनल बैंक और लक्ष्मी बीमा कम्पनी की स्थापना भी की थी । ये भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में गरम दल के तीन प्रमुख नेताओं लाल-बाल-पाल में से एक थे।

लाला लाजपत राय के नेतृत्व में ही 'जलियांवाला बाग कांड' के बाद ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ असहयोग आंदोलन' का निर्णय लिया गया था। इसके साथ ही लाला लाजपत राय ने पंजाब में इस आंदोलन की कमान संभाली।

वर्ष 1882 में मात्र 17 वर्ष की अल्प आयु में लाला लाजपत राय (Lala Lajpat Rai) आर्य समाज (Arya Samaj) में शामिल हो गए थे। वह आर्य समाज के संस्थापक "दयानंद सरस्वती" के विचारों से काफी प्रभावित थे इसलिए उन्होंने आर्य समाज की शिक्षा ग्रहण की, साथ ही समाज सेवा करना शुरू कर दी। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब के 'दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज' (डी.ए.वी. कॉलेज) की स्थापना में अपना अहम योगदान दिया। वहीं लाला लाजपत राय ने वर्ष 1897 और 1899 में देश में आयी अकाल की समस्या और 1905 में कांगडा में आए भूकंप से देशवासियों की तन, मन, धन से एक लोक हितैषी और लोकोपकारक के रूप में सेवा की थी।

लाला लाजपत राय के जीवन की सबसे उल्लेखनीय घटनाओं में से एक 1928 में साइमन कमीशन के खिलाफ उनका विरोध था। प्रदर्शन की शांतिपूर्ण प्रकृति के बावजूद, ब्रिटिश पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसके दौरान लाला लाजपत राय को गंभीर चोटें आईं। उनकी चोटों के कारण अंततः 17 नवंबर, 1928 को उनकी मृत्यु हो गई।

लाला लाजपत राय का जीवन भारतीय स्वतंत्रता के लिए उनके अटूट समर्पण का प्रमाण है। विभिन्न आंदोलनों में उनकी भूमिका, शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता और साइमन कमीशन के विरोध के दौरान बलिदान ने उन्हें भारतीय इतिहास में एक सम्मानित व्यक्ति बना दिया है।

पंजाब केसरी की विरासत लाखों लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रेरित करती है।

शशि किरन (आचार्य)

स०शि०म०,नोएडा

प्रतियोगिताएं

वेश व पहाड़ा

बस्ता प्रतियोगिता

सुलेख प्रतियोगिता

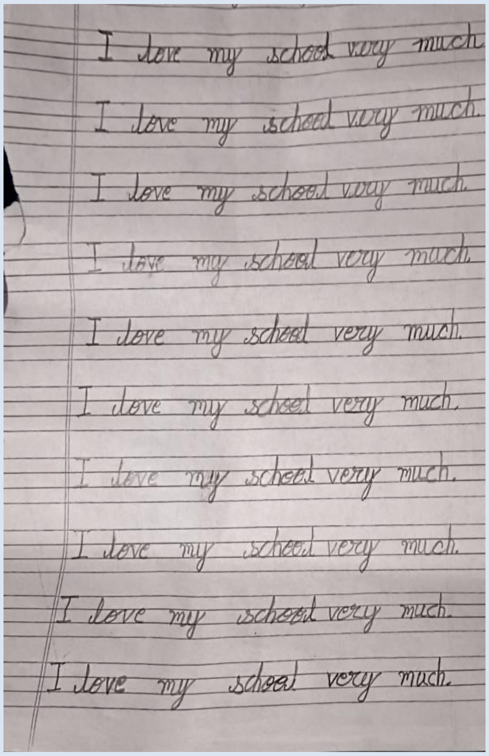
I love my school very much.

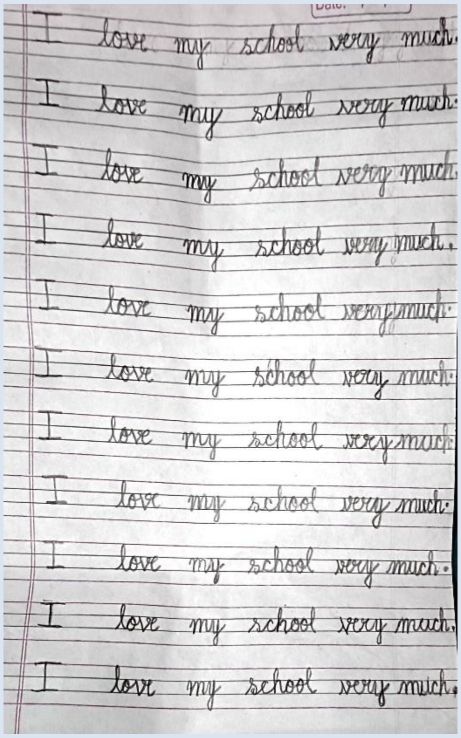
I love my school very much.

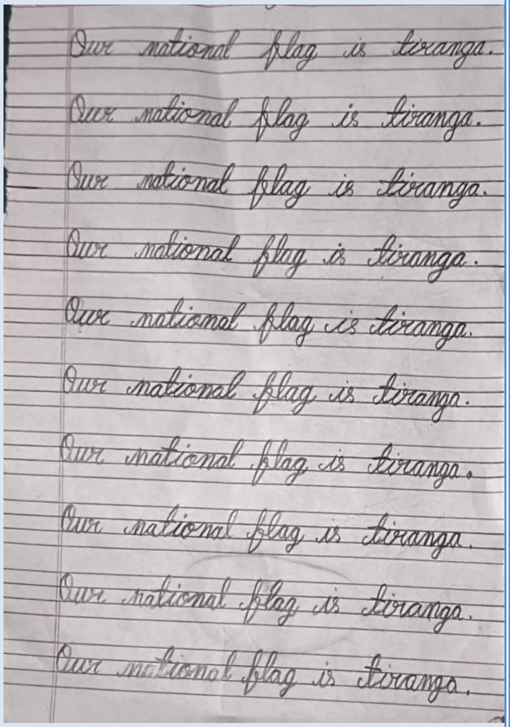
Our national flag is tiranga.

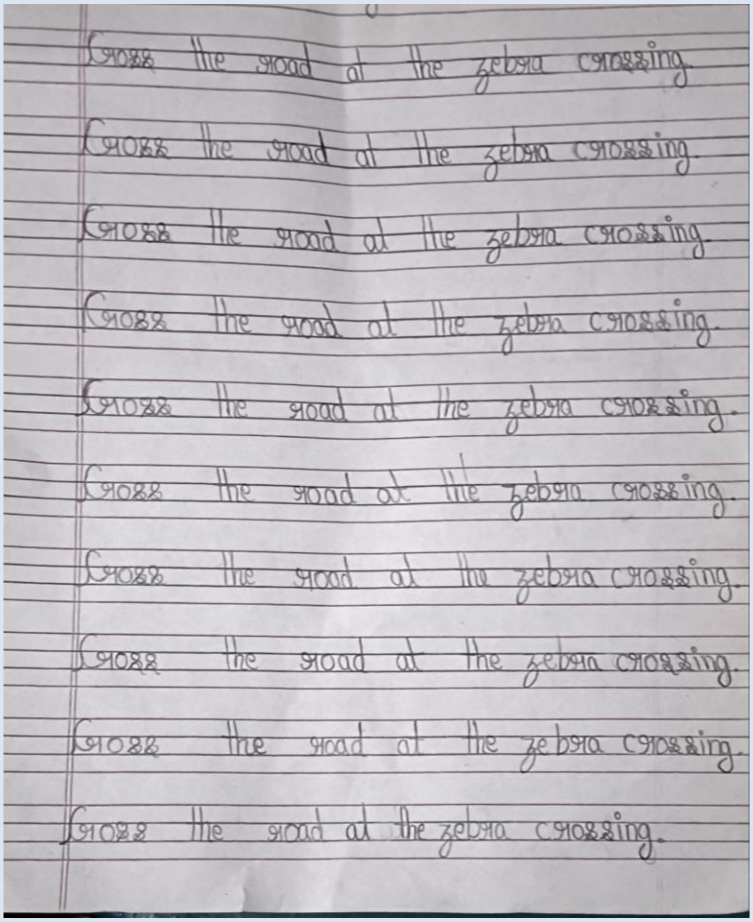
Cross the road at the zebra crossing.

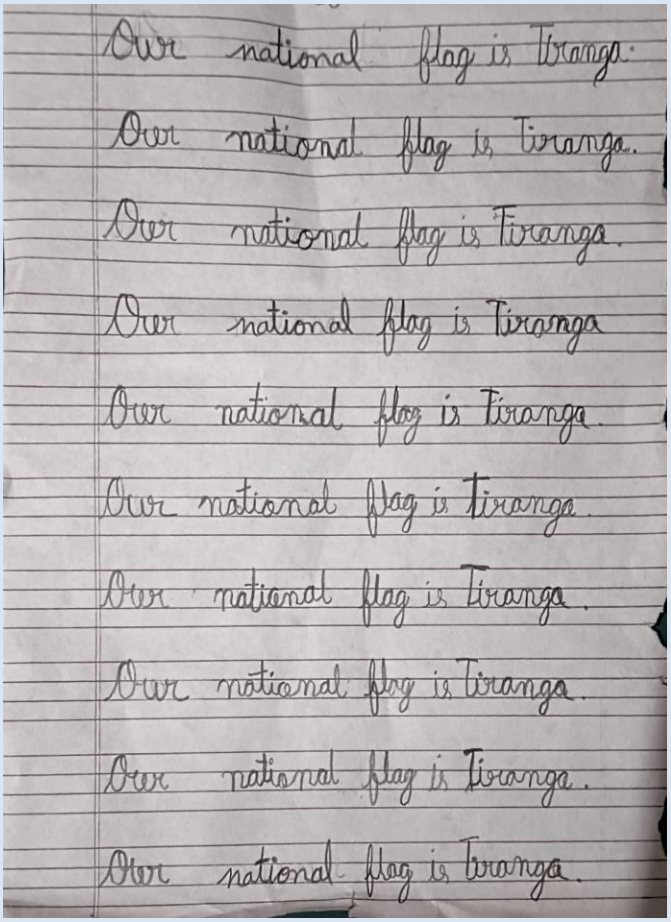
Our national flag is Tiranga.

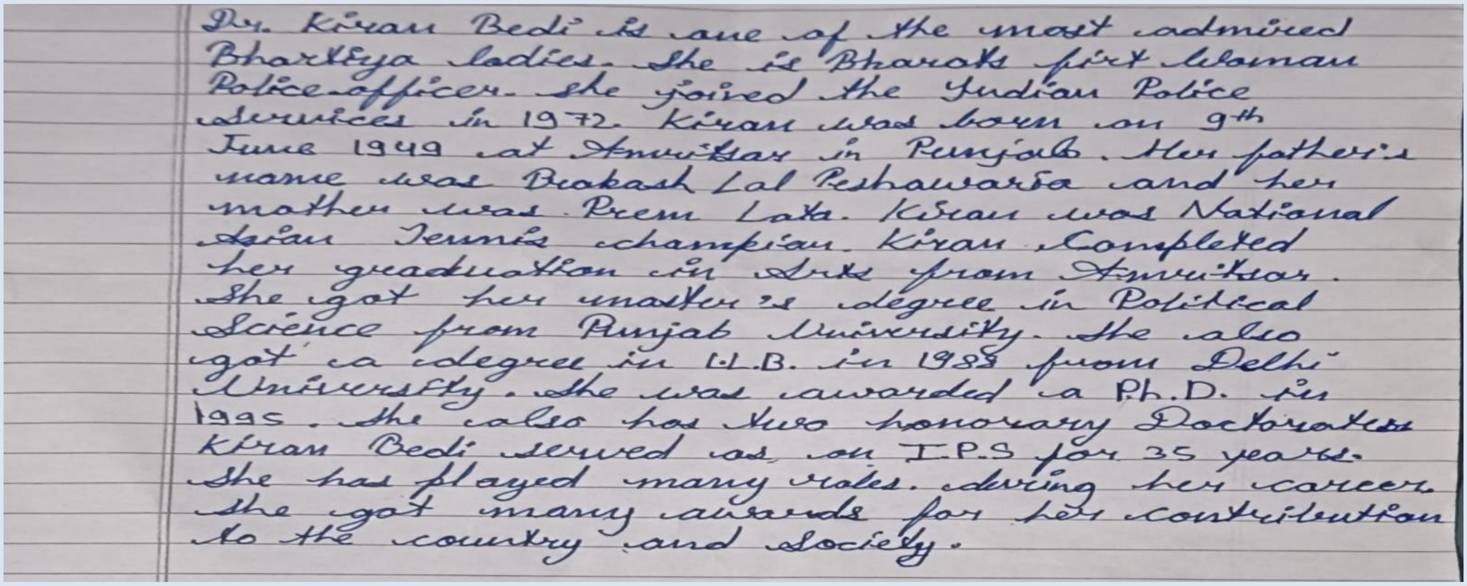

Dr. Kiran Bedi is one of the most admired Bhartiya ladies. She is Bharat's first Woman Police officer. She joined the Indian Police Services in 1972. Kiran was born on 9th June 1949 at Amritsar in Punjab. Her father's name was Prakash Lal Peshawaria and her mother was Prem Lata. Kiran was National Asian Tennis champian. Kiran Completed her graduation in Arts from Amritsar. She got her master's degree in Political Science from Punjab University. She also got a degree in LL.B. in 1988 from Delhi University. She was awarded a Ph.D. in 1995. She also has two honorary Doctorates. Kiran Bedi served as an I.P.S for 35 years. She has played many roles during her career. She got many awards for her contribution to the country and society.

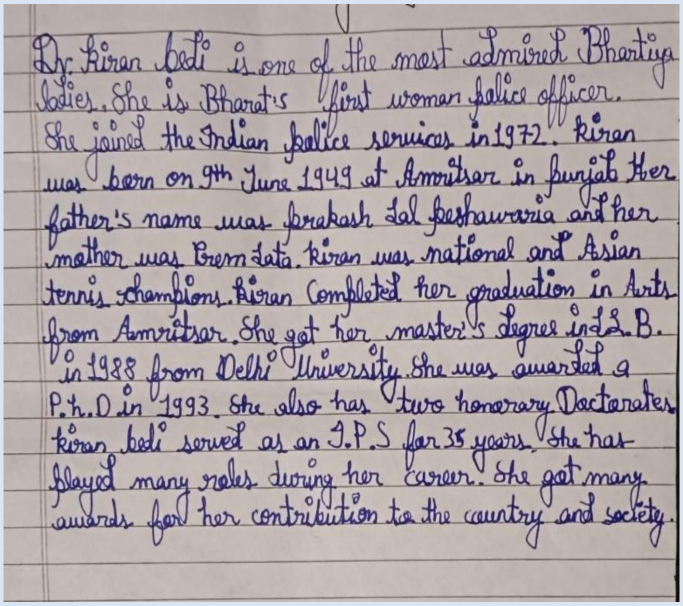

Dr. Kiran bedi is one of the most admired Bhartiya ladies. She is Bharat's first woman police officer. She joined the Indian police services in 1972. Kiran was born on 9th June 1949 at Amritsar in Punjab Her father's name was Prakash Lal Peshawaria and her mother was Prem Lata. Kiran was national and Asian tennis champions. Kiran Completed her graduation in Arts from Amritsar. She got her master's degree in LL.B. in 1988 from Delhi University. She was awarded a P.h.D in 1993. She also has two honorary Docterates. kiran bedi served as an I.P.S for 35 years. She has played many roles during her career. She got many awards for her contribution to the country and society.

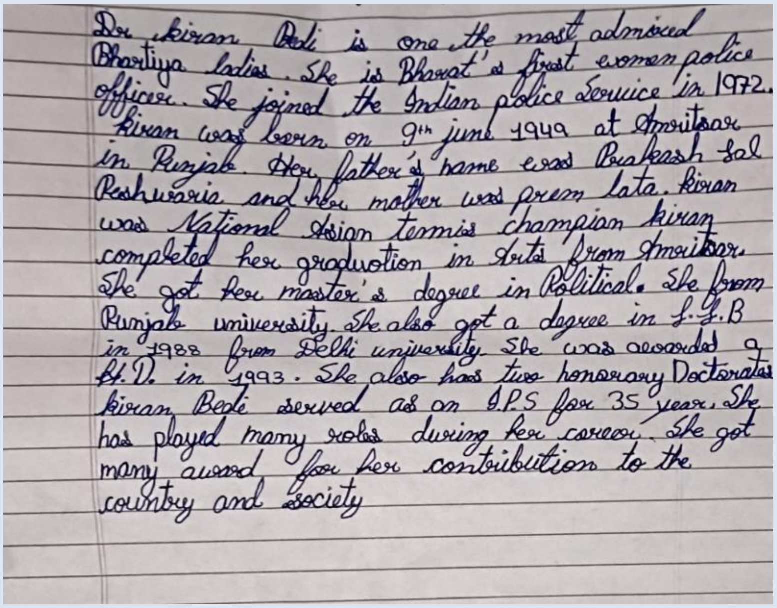

Dr. kiran Bedi is one the most admired Bhartiya ladies. She is Bharat's first women police officer. She joined the Indian police Service in 1972. Kiran was born on 9th june 1949 at Amritsar in Punjab. Her father's name was Prakash Lal Peshwaria and her mother was prem lata. kiran was National Asian termis champian kiran completed her graduation in Arts from Amritsar. She got her master's degree in Political. She from Punjab university. She also got a degree in L.L.B in 1988 from Delhi university. She was awarded a Ph.D. in 1993. She also has two honorary Doctorates. kiran Bedi served as an I.P.S for 35 year. She has played many roles during her career. She got many award for her contribution to the country and society

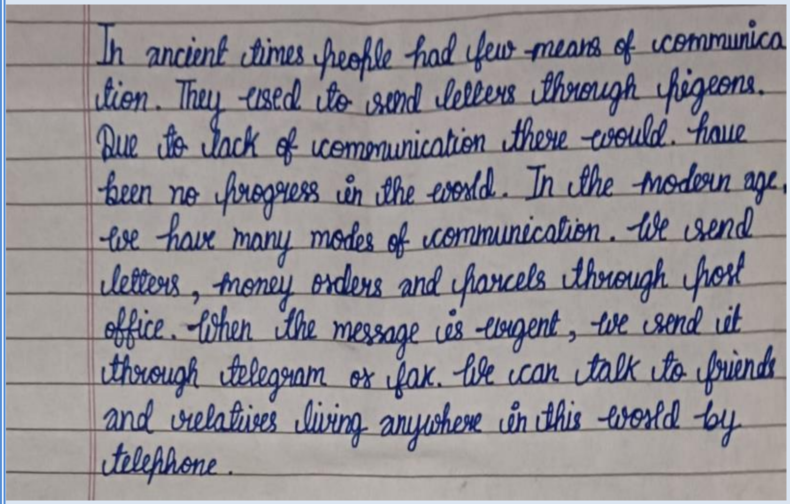

In ancient times people had few means of communication. They used to send letters through pigeons. Due to lack of communication there would have been no progress in the world. In the modern age, we have many modes of communication. We send letters, money orders and parcels through post office. When the message is urgent, we send it through telegram or fax. We can talk to friends and relatives living anywhere in this world by telephone.

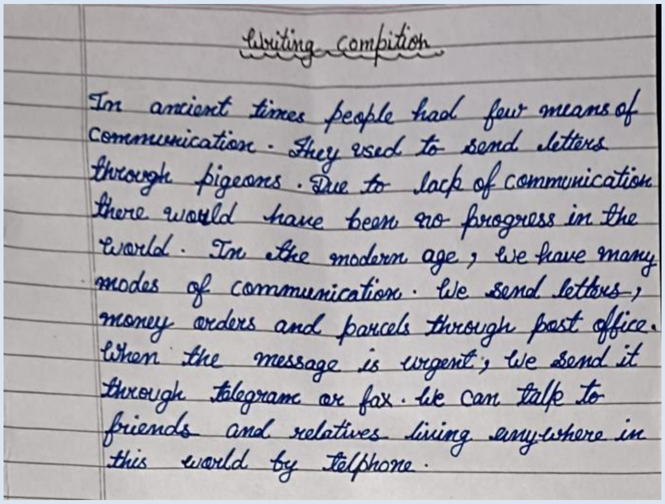

Writing compition

In ancient times people had few means of Communication. They used to send letters through pigeons. Due to lack of communication there would have been no progress in the world. In the modern age, we have many modes of communication. We send letters, money orders and parcels through post office. When the message is urgent, we send it through telegram or fax. We can talk to friends and relatives living any-where in this world by telphone.

दिनांक- 2,3,4 व 5 दिसम्बर 2024 को क्रमशः वेश , बस्ता ,सुलेख व पहाड़ा प्रतियोगिता के द्वितीय चरण से सम्बन्धित छायाचित्र.....

आचार्य-अभिभावक गोष्ठी

दिनांक- 14 दिसंबर 2024 (शनिवार) को आचार्य-अभिभावक गोष्ठी से सम्बन्धित छायाचित्र.........

समर्पण निधि कार्यक्रम

दिनांक- 4 दिसंबर से 10 दिसंबर 2024 तक चलने वाले समर्पण निधि सप्ताह से सम्बन्धित छायाचित्र......

संस्कृति ज्ञान परीक्षा (आचार्य व भैया /बहिन)

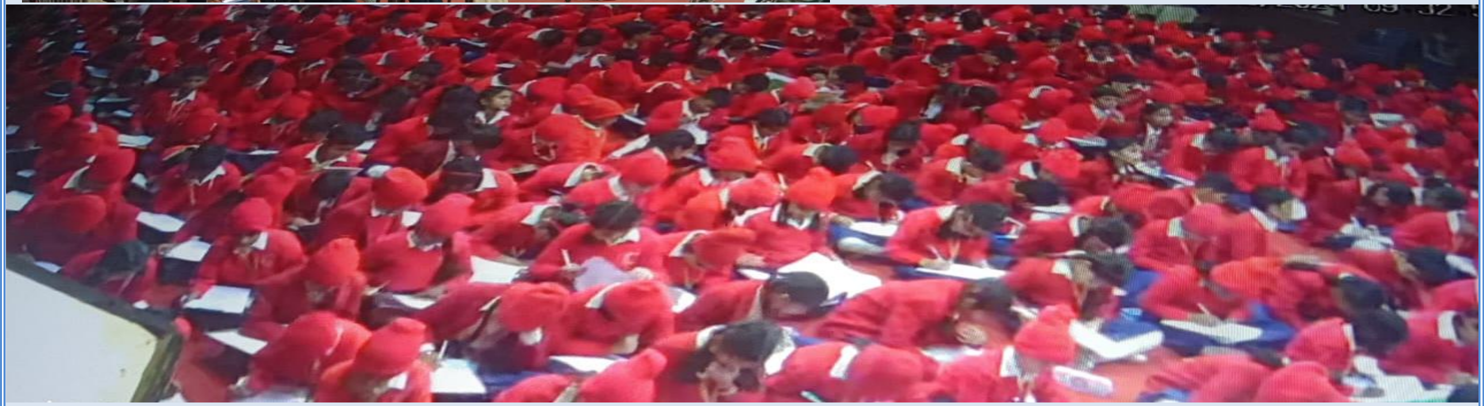

दिनांक-18 व 21 दिसंबर 2024 को क्रमशः आचार्य और भैया/ बहिनों की संस्कृति ज्ञान परीक्षा के आयोजन से सम्बन्धित छायाचित्र.......

स्वर्ण प्राशन

दिनांक-19/12/24 को "पुष्य नक्षत्र"में सरस्वती शिशु मन्दिर नोएडा में शिशुवाटिका के स्वर्णप्राशन संस्कार से सम्बन्धित छायाचित्र ....

एडवेंचर कैंप

दिनांक- 21/12/24 को सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा में त्रिदिवसीय एडवेंचर कैंप का उद्‌घाटन श्रीमान प्रताप मेहता जी (संरक्षक) , टी.सी शर्मा, आर. एन शर्मा, रेनू शर्मा,मनीष ग्रोवर,व रमेश जी ने संयुक्त रूप से किया। अतिथि परिचय व आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान प्रकाश वीर जी ने किया । दिनांक- 23/12/24 को कैम्प का समापन कार्यक्रम रहा। एक्टिविटी से सम्बन्धित छायाचित्र......

मदन मोहन मालवीय जयन्ती

दिनांक-24/12/24 को सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा में **मदन मोहन मालवीय जी** की जयंती पर आचार्य आशुतोष जी द्वारा उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए छायाचित्र..

पथ संचलन

वीर बाल दिवस
26 दिसम्बर

गुरू गोबिन्द सिंह के चार पुत्र
अजीत सिंह, जुझार सिंह,
जोरावर सिंह, फतेह सिंह
वीर बाल बलिदान सप्ताह,
21 से 27 दिसम्बर

नोएडा। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध सरस्वती शिशु मंदिर में गुरु पुत्रों से संबंधित "वीर बाल दिवस" के उपलक्ष में छात्र-छात्राओं के पथ संचलन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय में आये अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया।

कार्यक्रम में अजीत सिंह, जोरावर सिंह, फतेह सिंह, जुझार सिंह, माता गूजरी देवी आदि के स्वरूपों की झांकियों के साथ, विद्यालय के घोष, अभिभावकों व संघ के स्वयंसेवकों के साथ नगर के मुख्य मार्गो से संचलन निकाला गया।

कार्यक्रम में संघ के विभाग प्रचारक प्रवीर ,दिनेश गोयल (अध्यक्ष), प्रदीप भारद्वाज (व्यवस्थापक), एम.के. ई. प्रसाद, सत्येंद्र, अनिल, विनय, आकाश, बृजेश, प्रताप, राम झलक पांडेय, रजनीश, राजीव, कमल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विभाग प्रचारक प्रवीर ने अपने उद्बोधन में आज के दिवस की महत्ता बताते हुए अपने गौरवशाली इतिहास व गुरु पुत्रों के बलिदान की गाथा पर अपनी ओजस्वी भाषा के साथ प्रकाश डाला।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान प्रकाश वीर जी ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

दिनांक 25/12/2024 को विद्यालय में 'वीर बाल दिवस' के अवसर पर गुरु पुत्रों से संबंधित विभिन्न झांकियों के साथ भैया/ बहिनों के पथ संचलन में सहभागी रहे अभिभावक , संघ के स्वयंसेवक तथा विभाग प्रचारक जी के प्रेरणादाई उद्बोधन से संबंधित छायाचित्र..........

हवन कार्यक्रम

दिनांक 30/12 /2024 को सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा में जन्मदिवस कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर भैया/बहिनों के उज्ज्वल भविष्य के लिए हवन कार्यक्रम आयोजन से संबंधित छायाचित्र.....

समता प्रतियोगिता

सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा में जिला समता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध जनपद गौतमबुद्ध नगर के समस्त विद्यालयों का सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा में विद्यार्थियों और आचार्यों की जिला समता प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें 105 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। शिशु वर्ग में प्रथम स्थान सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा तथा द्वितीय स्थान सरस्वती बाल मंदिर रबूपुरा का रहा। बाल वर्ग में प्रथम स्थान भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा व द्वितीय स्थान सरस्वती बाल मंदिर रबूपुरा का रहा। तरुण वर्ग में प्रथम स्थान सरस्वती बाल मंदिर रबूपुरा व द्वितीय स्थान भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा का रहा। आचार्यों के प्राथमिक स्तर पर प्रथम स्थान सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा तथा माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा का रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ आए अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। प्रतियोगिता के अंत में परिणाम की घोषणा विद्या मंदिर नोएडा के प्रधानाचार्य सोमगिरि गोस्वामी ने किया तथा रबूपुरा के प्रधानाचार्य रामकरण दक्ष ने विद्यार्थियों को शुभाशीष दिया।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश वीर ने सभी का आभार प्रकट करते हुए आगामी सूचनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया।

सरस्वती शिशु मंदिर में जिला समता प्रतियोगिता का आयोजन

नोएडा (युग करवट)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबंध जनपद गौतमबुद्धनगर के समस्त विद्यालयों की सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा में छात्रों व आचार्यों की जिला समता प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। जिसमें 105 छात्रों ने प्रतिभाग किया। शिशु वर्ग में प्रथम स्थान सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा तथा द्वितीय स्थान सरस्वती बाल मंदिर रबूपुरा का रहा। बाल वर्ग में प्रथम स्थान भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा व द्वितीय स्थान सरस्वती बाल मंदिर रबूपुरा का रहा। तरुण वर्ग में प्रथम स्थान सरस्वती बाल मंदिर रबूपुरा व द्वितीय स्थान भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा का रहा। आचार्यों के प्राथमिक स्तर पर प्रथम स्थान सरस्वती शिशु मंदिर नोएडा तथा माध्यमिक स्तर पर प्रथम स्थान भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर नोएडा का रहा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। प्रतियोगिता के अंत में परिणाम की घोषणा विद्या मंदिर नोएडा के प्रधानाचार्य सोमगिरि गोस्वामी ने किया तथा रबूपुरा के प्रधानाचार्य रामकरण दक्ष ने छात्रों को शुभाशीष दिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश वीर ने सभी का आभार प्रकट करते हुए आगामी सूचनाओं से छात्रों को अवगत कराया।

निःशुल्क एक्यूप्रेशर कैम्प

स्वास्थ्य शिविर में एक्यूप्रेशर से बीमारियां दूर करने के बताये उपाय

शिविर के दौरान सांसद डा. महेश शर्मा के प्रतिनिधि संजय बाली ने सभी थेरेपिस्ट को और यूपी सिंह को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया

नोएडा (युग करवट)। साल के अंतिम दिन सभी बीमारियों को एक्यूप्रेशर से दूर करने के लिए सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में मंगलमय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट और एवरग्रीन आरडब्ल्यूए सेक्टर-12 के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान 148 लोगों ने अपना निशुल्क इलाज करवाया।

शिविर के दौरान सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य प्रकाश वीर, चेयरमैन मंगलमय इंस्टीट्यूट अतुल मंगल, आरडब्ल्यूए एवरग्रीन अध्यक्ष पुनीत शुक्ला ने बताया कि वह आगे भी नोएडा के सभी सेक्टरों में थेरेपिस्ट यूपी सिंह के नेतृत्व में फ्री एक्युप्रेशर कैम्प लगाए जाएंगे, जिससे हम सभी नोएडा वासियों को बिना दवाईयों के बीमारियों से मुक्ति दिला सकें। शिविर के दौरान सांसद डा. महेश शर्मा के प्रतिनिधि संजय बाली ने सभी थेरेपिस्ट को और यूपी सिंह को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस दौरान संजय बाली ने कहा कि नोएडा के सभी सेक्टर में एक्युप्रेशर के फ्री कैम्प लगेंगे, जिससे सभी इसका लाभ उठा सकें। इस मौके पर प्रकाश वीर और पुनीत शुक्ला ने संजय बाली को बुके देकर सम्मानित किया और मंगलमय इंस्टीट्यूट की तरफ से ट्रॉफी भेंट की। इस दौरान कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिनांक-31/12/2024 को मंगलमय ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट R.W.A सेक्टर-12 ने मिलकर सरस्वती शिशु मंदिर, नोएडा में थैरेपिस्ट यू.पी. सिंह के नेतृत्व में फ्री एक्यूप्रेशर कैंप लगाया गया । जिसमें परीक्षण कराते आचार्य, अभिभावक व अन्य जनों के छायाचित्र.....

बताओ तो जाने

नदियाँ खोजिए

दिशा संकेत : → ↓ ↘ ↙

घा	घ	रा	वी	अ	म	रा	व	ती	चि
बे	ग्घ	म	झे	ल	म	ता	य	मु	ना
त	र	गं	ड	क	रा	प्ती	क्षि	प्रा	ब
वा	के	गा	सो	नं	मं	व्या	स	र	यू
हिं	ड	न	र्म	दा	मो	द	र	त	गो
ब्र	कृ	ष्णा	कि	चं	भी	मा	स्व	म	दा
ह्म	तुं	नी	सा	ब	र	म	ती	सा	व
पु	ग	स	त	ल	ज	हा	का	वे	री
त्र	भ	लू	नी	फ	सिं	न	लो	हि	त
इं	द्रा	व	ती	ल्गु	धु	दी	को	सी	वी

पत्रिका प्रश्नोत्तरी

1. गुरु गोविंद सिंह जी ने किस पंथ की स्थापना की ?

2. विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है ?

3. स्वामी विवेकानंद ने कौन सा शक्ति संदेश दिया ?

4. सुभाष चंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लाक की स्थापना कब की ?

5. भारतीय संविधान सभा की पहली बैठक कब हुई ?

6. लाला लाजपत राय कितने वर्ष की अल्प आयु से आर्य समाज में शामिल हुए ?

7. भारतीय संविधान की मूल हस्तलिखित पांडुलिपि में कुल कितने भाग थे ?

8. विद्युत बल्ब का आविष्कार किसने किया ?

9. वीर बाल दिवस का पथ संचलन किस तिथि को निकाला गया ?

10. 24 दिसंबर को किस महापुरुष की जयंती मनाई गई ?

11. विद्यालय में समर्पण निधि सप्ताह कब से कब तक मनाया गया ?

12. पंजाब केसरी पत्र के संपादक का नाम बताइए।

आलोक- उपरोक्त सभी प्रश्नों के उत्तर इसी अंक के लेखों में विद्यमान है अतः इसी अंक के उत्तर मान्य होंगे।

कक्षा- द्वितीय से पञ्चम तक के सभी भैया /बहिनों को ई- पत्रिका के पृष्ठ क्रमांक 40 व 41 में दिए प्रश्नो के उत्तर कक्षाचार्य जी के व्हाट्सप्प पर दिनांक - 10 जनवरी 2025 तक भेजने होंगे, जिससे आपके आने वाली परीक्षा में उनके अंक दिए जा सकें।